Class 8th Hindi (वसंत, भाग 3)

पाठ 1. लाख की चूड़ियाँ

1. ***सारे गाँव में बदलू मुझे सबसे अच्छा आदमी लगता था क्योंकि वह मुझे सुंदर-सुंदर लाख की गोलियाँ बनाकर देता था। मुझे अपने मामा के गाँव जाने का सबसे बड़ा चाव यही था कि जब मैं वहाँ से लौटता था तो मेरे पास ढेर सारी गोलियाँ होतीं, रंग-बिरंगी गोलियाँ जो किसी भी बच्चे का मन मोह लें।***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम और लेखक का नाम लिखिए।

(क) गद्यांश के पाठ का नाम- बस की यात्रा , लेखक का नाम- हरिशंकर परसाई।

(ख) गद्यांश के पाठ का नाम- ध्वनि, लेखक- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।

(ग) गद्यांश के पाठ का नाम- भगवान के डाकिए, लेखक- रामधारी सिंह दिनकर।

(घ) गद्यांश के पाठ का नाम- लाख की चूड़ियाँ, लेखक- कामतानाथ ।

प्रश्न 2. बदलू किसे अच्छा लगता था?

(क) गाँव के लोगों को

(ख) जमींदारों को

(ग) लेखक को

(घ) बच्चों को

प्रश्न 3. बदलू किसे सुंदर-सुंदर लाख की गोलियाँ बनाकर देता था?

(क) बच्चों को

(ख) बेटो को

(ग) गाँव वालो को

(घ) लेखक को

2. वैसे तो मेरे मामा के गाँव का होने के कारण मुझे बदलू को 'बदलू मामा' कहना चाहिए था परंतु मैं उसे 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' कहा करता था जैसा कि गाँव के सभी बच्चे उसे कहा करते थे। बदलू का मकान कुछ ऊँचे पर बना था। मकान के सामने बड़ा-सा सहन था जिसमें एक पुराना नीम का वृक्ष लगा था। उसी के नीचे बैठकर बदलू अपना काम किया करता था। बगल में भट्टी दहकती रहती जिसमें वह लाख पिघलाया करता। सामने एक लकड़ी की चौखट पड़ी रहती जिस पर लाख के मुलायम होने पर वह उसे सलाख के समान पतला करके चूड़ी का आकार देता। पास में चार-छह विभिन्न आकार की बेलननुमा मुँगेरियाँ रखी रहतीं जो आगे से कुछ पतली और पीछे से मोटी होतीं। लाख की चूड़ी का आकार देकर वह उन्हें मुँगेरियों पर चढ़ाकर गोल और चिकना बनाता और तब एक-एक कर पूरे हाथ की चूड़ियाँ बना चुकने के पश्चात् वह उन पर रंग करता।

प्रश्न 1. लेखक बदलू को 'बदलू काका' क्यों कहता था?

(क) क्योंकि गांव के सारे बच्चे बदलू को 'बदलू काका' ही कहते थे।

(ख) क्योंकि वह लेखक का चाचा था।

(ग) क्योंकि वह गाँव वालों को अच्छा लगता था।

(घ) क्योंकि वह बदलू काका नाम सुनकर खुश होता था ।

प्रश्न 2. बदलू कहाँ बैठकर अपना काम करता था?

(क) जामुन के वृक्ष के नीचे

(ख) खेतों में

(ग) गाँव के चौराहे पर

(घ) नीम के वृक्ष के नीचे

प्रश्न 3. बदलू दहकती भट्टी में क्या पिघलाया करता था?

(क) लोहा को

(ख) सोना को

(ग) लाख को

(घ) कोयले को

प्रश्न 4. बदलू चूड़ियों को आकार देने के लिए किसका प्रयोग करता था?

(क) बेलन का

(ख) ग्लास का

(ग) मोम का

(घ) बेलननुमा मुँगेरियाँ का

3. ***बदलू यह कार्य सदा ही एक मचिये पर बैठकर किया करता था जो बहुत ही पुरानी थी। बगल में ही उसका हुक्का रखा रहता जिसे वह बीच-बीच में पीता रहता। गाँव में मेरा दोपहर का समय अधिकतर बदलू के पास बीतता। वह मुझे 'लला' कहा करता और मेरे पहुँचते ही मेरे लिए तुरंत एक मचिया मँगा देता। मैं घंटों बैठे-बैठे उसे इस प्रकार चूड़ियाँ बनाते देखता रहता। लगभग रोज ही वह चार-छह जोड़े चूड़ियाँ बनाता। पूरा जोड़ा बना लेने पर वह उसे बेलन पर चढ़ाकर कुछ क्षण चुपचाप देखता रहता मानो वह बेलन न होकर किसी नव-वधू की कलाई हो।***

प्रश्न 1. बदलू मचिये पर बैठकर क्या करता था?

(क) पानी पीता था

(ख) हुक्का पीता रहता था

(ग) जूते बनाता रहता था

(घ) चूड़ियाँ बनाता रहता।

प्रश्न 2. बदलू किसे लला कहकर बोलता था ?

(क) लोगों को

(ख) बेटो को

(ग) लेखक को

(घ) बच्चों को

प्रश्न 3. बदलू लेखक को बैठने के लिए क्या देता था ?

(क) कुर्सी

(ख) मचिया

(ग) खाट

(घ) बेंच

प्रश्न 4. बदलू रोज कितनी चूड़ियाँ बनाता था ?

(क) पांच-छह जोड़े

(ख) चार जोड़े

(ग) चार-छह जोड़े

(घ) चार-तीन जोड़े

4. बदलू मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनाता था। उसकी बनाई हुई चूड़ियों की खपत भी बहुत थी। उस गाँव में तो सभी स्त्रियाँ उसकी बनाई हुई चूड़ियाँ पहनती ही थी आस-पास के गाँवों के लोग भी उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। परंतु वह कभी भी चूड़ियों को पैसों से बेचता न था। उसका अभी तक वस्तु-विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। बदलू स्वभाव से बहुत सीधा था। मैंने कभी भी उसे किसी से झगड़ते नहीं देखा। हाँ, शादी-विवाह के अवसरों पर वह अवश्य जिद़ पकड़ जाता था। जीवन भर चाहे कोई उससे मुफ्त चूड़ियाँ ले जाए परंतु विवाह के अवसर पर वह सारी कसर निकाल लेता था। आखिर सुहाग के जोड़े का महत्त्व ही और होता है।

प्रश्न 1. बदलू क्या था?

(क) मनिहार

(ख) लोहार

(ग) किसान

(घ) सुनार

प्रश्न 2. बदलू का पैतृक पेशा क्या था ?

(क) खेती करना

(ख) कांच की चूड़ियाँ बनाना

(ग) लाख की चूड़ियाँ बनाना

(घ) सब्जी बेचना

प्रश्न 3. बदलू चूड़ियाँ कैसे बेचता था?

(क) अनाज लेकर

(ख) पैसे लेकर

(ग) सब्जियां लेकर

(घ) वस्तु लेकर

प्रश्न 4. बदलू का स्वभाव कैसा था?

(क) सीधा

(ख) रुखा

(ग) चंचल

(घ) मुडी

पाठ 2. बस की यात्रा

1. हम पाँच मित्रों ने तय किया कि शाम चार बजे की बस से चलें। पन्ना से इसी कंपनी की बस सतना के लिए घंटे भर बाद मिलती है जो जबलपुर की ट्रेन मिला देती है। सुबह घर पहुँच जाएँगे। हम में से दो को सुबह काम पर हाज़िर होना था इसीलिए वापसी का यही रास्ता अपनाना ज़रूरी था। लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते। क्या रास्ते में डाकू मिलते हैं? नहीं, बस डाकिन है। बस को देखा तो श्रद्धा उमड़ पड़ी। खूब वयोवृद्ध थी। सदियों के अनुभव के निशान लिए हुए थी। लोग इसलिए इससे सफ़र नहीं करना चाहते कि वृद्धावस्था में इसे कष्ट होगा। यह बस पूजा के योग्य थी। उस पर सवार कैसे हुआ जा सकता है!

प्रश्न 1. लेखक और उसके मित्रों को कहां जाना था ?

(क) जबलपुर
(ख) सहारनपुर
(ग) पन्ना
(घ) रायपुर

प्रश्न 2. यह बस कहाँ की ट्रेन से मिला देती है?

(क) नेपाल की
(ख) जबलपुर की
(ग) पन्ना की
(घ) सतना की

प्रश्न 3. लेखक के मन में बस को देखकर कैसा भाव उमड़ा?

(क) गुस्से का
(ख) श्रद्धा
(ग) दया
(घ) प्रेम

प्रश्न 4. यात्री इस बस में सफ़र क्यों नहीं करना चाहते थे?

(क) क्योंकि बस के चलने के आसार ही दिखाई नहीं देते थे।
(ख) क्योंकि बस में सारी सीटें भर चुकी थी।
(ग) क्योंकि बस अपनी जर्जर अवस्था के कारण कभी भी धोखा दे सकती थी।
(घ) क्योंकि बस का किराया बहुत ज्यादा थी।

2.***इंजन सचमुच स्टार्ट हो गया। ऐसा, जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं। काँच बहुत कम बचे थे। जो बचे थे, उनसे हमें बचना था। हम फौरन खिड़की से दूर सरक गए। इंजन चल रहा था। हमें लग रहा था कि हमारी सीट के नीचे इंजन है। बस सचमुच चल पड़ी और हमें लगा कि यह गांधीजी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के वक्त अवश्य जवान रही होगी। उसे ट्रेनिंग मिल चुकी थी। हर हिस्सा दूसरे से असहयोग कर रहा था। पूरी बस सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौर से गुजर रही थी। सीट का बॉडी से असहयोग चल रहा था। कभी लगता सीट बॉडी को छोड़कर आगे निकल गई है। कभी लगता कि सीट को छोड़कर बॉडी आगे भागी जा रही है। आठ-दस मील चलने पर सारे भेदभाव मिट गए। यह समझ में नहीं आता था कि सीट पर हम बैठे हैं या सीट हम पर बैठी है।***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम और लेखक का नाम लिखिए।

(क) गद्यांश के पाठ का नाम- बस की यात्रा , लेखक का नाम- हरिशंकर परसाई।

(ख) पाठ-ध्वनि, लेखक- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।

(ग) पाठ- भगवान के डाकिए, लेखक- रामधारी सिंह दिनकर।

(घ) पाठ का नाम – लाख की चूड़ियाँ, लेखक- कामतानाथ।

प्रश्न 2. इंजन सचमुच स्टार्ट हो गया वाक्य में लेखक का कहने का अभिप्राय क्या है?

(क) बस की खराब स्थिति को देखकर

(ख) ड्राइवर के दयनीय स्थिति को देखकर

(ग) बस की दशा और पहली बार में ही स्टार्ट होने के कारण

(घ) बस की हालत को देखकर

प्रश्न 3. लेखक को ऐसा क्यों लग रहा था कि हम इंजन के भीतर बैठे हैं?

(क) गर्मी के कारण

(ख) परेशानी के कारण

(ग) बस की हालत देखकर

(घ) शोर और कंपन के कारण

प्रश्न 4. उपरोक्त गद्यांश में गांधी जी के किस आंदोलन का वर्णन है?

(क) असहयोग आंदोलन

(ख) सविनय अवज्ञा आंदोलन

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) कोई नहीं

प्रश्न 5. गद्यांश में बस की दशा के बारे में क्या पता चलता था?

(क) बस अच्छी हालत में थी

(ख) बस की हालत दयनीय थी

(ग) बस खराब हालत में थी

(घ) पता नहीं

3. बस की रफ़्तार अब पंद्रह-बीस मील हो गई थी। मुझे उसके किसी हिस्से पर भरोसा नहीं था। ब्रेक फेल हो सकता है, स्टीयरिंग टूट सकता है। प्रकृति के दृश्य बहुत लुभावने थे। दोनों तरफ़ हरे-भरे पेड़ थे जिन पर पक्षी बैठे थे। मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था। जो भी पेड़ आता, डर लगता कि इससे बस टकराएगी। वह निकल जाता तो दूसरे पेड़ का इंतजार करता। झील दिखती तो सोचता कि इसमें बस गोता लगा जाएगी।

प्रश्न 1. अब बस किस रफ्तार से चल रही थी?

(क) पंद्रह से बीस मील प्रति घंटा

(ख) सात से दस मील रफ़्तार

(ग) दस से तेरह मील रफ़्तार

(घ) चार से पाँच मील रफ्तार

प्रश्न 2. लेखक को बस पर भरोसा क्यों नहीं रहा?

(क) क्योंकि बस का ड्राइवर नशे में था।

(ख) क्योंकि रास्ता काफी खराब था।

(ग) क्योंकि लेखक ने सोच लिया कि बस का कभी भी ब्रेक फेल हो सकता है, या स्टीयरिंग टूट सकता है।

(घ) क्योंकि बस काफी खराब थी।

प्रश्न 3. लेखक पेड़ों को अपना शत्रु क्यों समझ रहे थे?

(क) पेड़ों को ज्यादा झुकाव होने के कारण

(ख) पेड़ों के कारण रास्ता न दिखने के कारण

(ग) पेड़ों से बस टकराने के भय के कारण

(घ) पेड़ों को अत्यधिक छायादार होने के कारण

प्रश्न 4. लेखक को बस डूबने का डर कहाँ सताने लगा?

(क) समुद्र में

(ख) नदी में

(ग) झील में

(घ) पुलिया पर

प्रश्न 5. गद्यांश में लेखक ने सड़क के दोनों किनारे का दृश्य कैसे प्रस्तुत किया है?

(कदोनों तरफ़ झीलें ही झीलें थीं। (

(खकाले बादल आसमान में छाए थे।-चारों तरफ़ काले (

(गदोनों तरफ़ नदियाँ बह रही थीं। (

(घ भरे पेड़-दोनों ओर हरे (थे जिस पर पक्षी बैठे थे।

4. एक पुलिया के ऊपर पहुँचे ही थे कि एक टायर फिस्स करके बैठ गया। वह बहुत जोर से हिलकर थम गई। अगर स्पीड में होती तो उछलकर नाले में गिर जाती। मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा। वह टायरों की हालत जानते हैं फिर भी जान हथेली पर लेकर इसी बस से सफ़र कर रहे हैं। उत्सर्ग की ऐसी भावना दुर्लभ है। सोचा, इस आदमी के साहस और बलिदान भावना का सही उपयोग नहीं हो रहा है। इसे तो किसी क्रांतिकारी आंदोलन का नेता होना चाहिए। अगर बस नाले में गिर पड़ती और हम सब मर जाते तो देवता बाँहें पसारे उसका इंतजार करते।

प्रश्न 1. बस कहाँ खराब हो गई?

(क) एक गाँव में

(ख) झील के पास

(ग) पुलिया पर

(घ) पुल के नीचे

प्रश्न 2. लेखक ने बस कंपनी के हिस्सेदार को किस भाव से देखा?

(क) उपेक्षा से

(ख) श्रद्धा से

(ग) प्यार से

(घ) घृणा से

प्रश्न 3. किसके साहस और बलिदान की भावना का दुरुपयोग हो रहा था?

(क) कंडक्टर की

(ख) बस ड्राइवर की

(ग) कंपनी के हिस्सेदारों की

(घ) यात्रियों की

प्रश्न 4. लेखक के अनुसार क्रांति नेता में कौन से गुण होने चाहिए।

(क) त्याग और परोपकार

(ख) सच्चाई और साहस

(ग) ईमानदार और त्यागी

(घ) साहस और बलिदान

पाठ 3. दीवानों की हस्ती

1) ***हम दीवानों की क्या हस्ती,***
हैं आज यहाँ, कल वहाँ चले,
मस्ती का आलम साथ चला,
हम धूल उड़ाते जहाँ चले।
आए बन कर उल्लास अभी,
आँसू बन कर बह चले अभी,
सब कहते ही रह गए, अरे,
तुम कैसे आए, कहाँ चले?

प्रश्न 1. 'दीवानों' किस प्रकार के व्यक्तियों को कहा गया-

(क) अवारा व्यक्तियों को

(ख) मनमौजी व्यक्तियों को

(ग) सनकी व्यक्तियों को

(घ) सुन्दर व्यक्तियों को

प्रश्न 2. धूल उड़ाकर चलने का अर्थ होगा?

(क) निश्चित होकर चलना

(ख) हाथों से धूल उड़ाना

(ग) मुंह से धूल उड़ाना

(घ) मस्ती में डूबकर चलना

प्रश्न 3. दीवानों का हृदय कैसा होता है?

(क) भावुक

(ख) संवेदनशील

(ग) कठोर

(घ) संवेदनशील व भावुक

प्रश्न 4. दीवानों के जाने पर लोग दुखी क्यों होते है?

(क) वो थोड़े समय में ही सबसे आत्मीयता बना लेते हैं।

(ख) क्योंकि वो दूसरों को पीड़ा देते है

(ग) क्योंकि लोग उनसे दुखी थे

(घ) लोग उनके स्वार्थ से दुखी थे

2) ***किस ओर चले? यह मत पूछो,***
चलना है, बस इसलिए चले,
जग से उसका कुछ लिए चले,
जग को अपना कुछ दिए चले,
दो बात कही, दो बात सुनी।
कुछ हँसे और फिर कुछ रोए।
छककर सुख-दुख के घूँटों को
हम एक भाव से पिए चले।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम और लेखक का नाम लिखिए।

(क) गद्यांश के पाठ का नाम- ध्वनि, लेखक- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।

(ख) गद्यांश के पाठ का नाम- बस की यात्रा , लेखक का नाम- हरिशंकर परसाई।

(ग) गद्यांश के पाठ का नाम- भगवान के डाकिए, लेखक- रामधारी सिंह दिनकर।

(घ) गद्यांश के पाठ का नाम- दीवानों की हस्ती, लेखक- भगवतीचरण वर्मा ।

प्रश्न 2. मनमौजी व्यक्ति किस ओर चलता है ?

(क) जहाँ उसका मन होता है वहाँ

(ख) उतर की ओर

(ग) पूरब की ओर

(घ) जिधर सभी लोग गए हों

प्रश्न 3. मनमौजी व्यक्ति संसार को क्या देता है ?

(क) सुख

(ख) धन

(ग) दुःख

(घ) खुशी

प्रश्न 4. मनमौजी व्यक्ति कब रोता है ?

(क) जब उसका दिल दुखता है

(ख) जब स्वयं दुखी होता है

(ग) जब कोई उसे कुछ कड़वी बात बोलता है

(घ) जब दूसरों को दुखी देखता है

प्रश्न 5. 'छककर सुख-दुःख पीने' का क्या अर्थ है ?

(क) दुख में दुखी होना

(ख) सुख के दिनों में प्रसन्न होना

(ग) सदा सुख के बारे में सोचते रहना

(घ) सुख-दुःख दोनों स्थितियों में एक जैसा रहना

3) ***हम भिखमंगों की दुनिया में,***
स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले,
हम एक निसानी – सी उर पर,
ले असफलता का भार चले।
अब अपना और पराया क्या?
आबाद रहें रुकने वाले!
हम स्वयं बँधे थे और स्वयं
हम अपने बँधन तोड़ चले।

प्रश्न 1. भिखमंगों की दुनिया किस प्रकार की है ?
(क) भिखमंगे अजीब होते हैं
(ख) भिखमंगे बहुत विचित्र होते हैं
(ग) भिखमंगे दया नहीं करते
(घ) भिखमंगे लेना जानते हैं, देना नहीं

प्रश्न 2. प्यार को क्या कहा है ?
(क) उन्नति में रुकावट
(ख) बंधन से मुक्ति
(ग) अनियंत्रित साया
(घ) स्वच्छंद

प्रश्न 3. 'आबाद' शब्द का क्या अर्थ है?
(क) प्यार
(ख) बसना
(ग) मुराद
(घ) भाग्य

प्रश्न 4. रुकने वाले कौन हैं?
(क) जो दयालु व्यक्ति नहीं हैं
(ख) जो भिखमंगे होते हैं
(ग) जो सांसारिकता में फँसे पड़े हैं
(घ) जो दूसरों का कहना नहीं मानते हैं

पाठ 4. भगवान के डाकिए

1) ***पक्षी और बादल, ये भगवान के डाकिए हैं, जो एक महादेश से दूसरे महादेश को जाते हैं।***
हम तो समझ नहीं पाते हैं मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।

प्रश्न 1. कवि और कविता का नाम बताएं।
(क) कवि का नाम- रामधारी सिंह दिनकर, कविता का नाम- भगवान के डाकिए।
(ख) कवि का नाम- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', कविता का नाम- ध्वनि।
(ग) कवि का नाम- दीवानों की हस्ती, कविता का नाम- भगवतीचरण वर्मा।
(घ) कवि का नाम- कबीर की साखियाँ, कविता का नाम- कबीरदास।

प्रश्न 2. पक्षी और बादल भगवान के डाकिए क्यों हैं ?
(क) क्योंकि ये ही भगवान के संदेश हम तक पहुंचाते हैं।
(ख) बादल वर्षा करते हैं और पक्षी आनंदित होते।
(ग) इनका प्रकृति से अटूट रिश्ता है।
(घ) डाक इधर-उधर ले जाते हैं।

प्रश्न 3. भगवान के डाकिए किसे कहा गया है?
(क) हवा और पानी को
(ख) पक्षी और बादल को
(ग) पक्षी और पहाड़ को
(घ) मेघ और बादल को

प्रश्न 4. पक्षी और बादलों के द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन बाँचता है ?
(क) पेड़ और पौधे
(ख) पानी और पहाड़
(ग) क और ख दोनो
(घ) इनमें से कोई नहीं

2) ***हम तो केवल यह आँकते हैं कि एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है।***
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए पक्षियों की पाँखों पर तिरता है।
और एक देश का भाप दूसरे देश में पानी बनकर गिरता है।

प्रश्न 1. सौरभ कहाँ – कहाँ जाता है?

प्रश्न 2. सौरभ और पाँखों शब्दो का अर्थ स्पष्ट करें?

प्रश्न 3. एक देश का भाप दूसरे देश में क्या बनकर गिरता है?

प्रश्न 4. इस काव्यांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

पाठ 5. <u>क्या निराश हुआ जाए</u>

1) ***मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है। समाचार-पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। आरोप-प्रत्यारोप का कुछ ऐसा वातावरण बन गया है कि लगता है, देश में कोई ईमानदार आदमी ही नहीं रह गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। जो जितने ही ऊँचे पद पर हैं उनमें उतने ही अधिक दोष दिखाए जाते हैं। एक बहुत बड़े आदमी ने मुझसे एक बार कहा था कि इस समय सुखी वही है जो कुछ नहीं करता।***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम और लेखक का नाम लिखिए।
(क) गद्यांश के पाठ का नाम- दीवानों की हस्ती, लेखक- भगवतीचरण वर्मा
(ख) गद्यांश के पाठ का नाम- क्या निराश हुआ जाए , लेखक का नाम- हजारी प्रसाद द्विवेदी
(ग) गद्यांश के पाठ का नाम- भगवान के डाकिए, लेखक- रामधारी सिंह दिनकर
(घ) गद्यांश के पाठ का नाम- ध्वनि, लेखक- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

प्रश्न 2. कभी-कभी किसका मन बैठ जाता है?

(क) लोगों का

(ख) पडोसियों का

(ग) लेखक का

(घ) सभी लोगों का

प्रश्न 3. हर व्यक्ति को किस दृष्टि से देखा जा रहा है?

(क) भावुक

(ख) जलन

(ग) संदेह

(घ) प्रेम

2) ***क्या यही भारतवर्ष है जिसका सपना तिलक और गांधी ने देखा था? रवींद्रनाथ ठाकुर और मदनमोहन मालवीय का महान संस्कृति – सभ्य भारतवर्ष किस अतीत के में डूब गया? आर्य और द्रविड़, हिंदू और मुसलमान, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलन-भूमि 'मानव महा – समुद्र' क्या सूख ही गया? मेरा मन कहता है ऐसा हो नहीं सकता। हमारे महान मनीषियों के सपनों का भारत है और रहेगा। यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भाले श्रम जीवी पिस रहे हैं और झूठ तथा फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है।***

प्रश्न 1. भारतवर्ष का सपना किस ने देखा था?

(क) तिलक और गांधी

(ख) भारत के लोगों ने

(ग) नेहरू ने

(घ) तिलक ने

प्रश्न 2. भारतवर्ष की महान सभ्य संस्कृति कहाँ डूब गई?

(क) सागर में

(ख) पुराने युग में

(ग) गहरे गड्ढे में

(घ) नदी में

प्रश्न 3. आज के माहौल में कौन अधिक परेशान है?

(क) निरीह और भोले-भाले लोग

(ख) मेहनत करने वाले

(ग) ईमानदार लोग

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4. जीविका में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है?

(क) इका

(ख) इक

(ग) अका

(घ) विका

3) दोषों का पर्दाफ़ाश करना बुरी बात नहीं है। बुराई यह मालूम होती है कि किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्‌घाटित करके उसमें रस लिया जाता है और दोषोद्‌घाटन को एक मात्र कर्तव्य मान लिया जाता है। बुराई में रस लेना बुरी बात है, अच्छाई में उतना ही रस लेकर उजागर न करना और भी बुरी बात है। सैंकड़ों घटनाएँ ऐसी घटती हैं जिन्हें उजागर करने से लोक-चित्त में अच्छाई के प्रति अच्छी भावना जगती है।

प्रश्न 1. दोषों का निराकरण कैसे किया जाता है?

(क) दोषों का साथ न देकर
(ख) दोषों को छिपा देने से
(ग) दोषों को दूसरे के सामने प्रकट कर
(घ) दोषों पर मिटा कर

प्रश्न 2. किसी की कमियों को उजागर करने में रस लेने को बुरी बात क्यों कहा गया है?

(क) क्योंकि किसी की कमियों को उजागर करने में रस लेने से दोषों का निवारण नहीं हो पाता
(ख) क्योंकि इन सबसे समाज में बुरी भावनाएँ बढ़ती हैं।
(ग) क्योंकि इससे बुरे लोग शर्मिंदा हो जाते हैं
(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 3. किससे रस लिया जाता है?

(क) अच्छाई का उद्‌घाटन करने में
(ख) बुराई का उद्‌घाटन में
(ग) दूसरों के गलत पक्ष के उद्‌घाटन में
(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4. 'लोक-चित्त' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) आम जनता को प्रसन्न करने वाला
(ख) अच्छे लोगों को प्रसन्न करने वाला
(ग) बुरे लोगों को प्रसन्न करने वाला
(घ) सबको को प्रसन्न करने वाला

4) मैं भी बहुत भयभीत था पर ड्राइवर को किसी तरह मार-पीट से बचाया। डेढ़-दो घंटे बीत गए। मेरे बच्चे भोजन और पानी के लिए व्याकुल थे। मेरी और पत्नी की हालत बुरी थी। लोगों ने ड्राइवर को मारा तो नहीं पर उसे बस से उतारकर एक जगह घेरकर रखा। कोई भी दुर्घटना होती है तो पहले ड्राइवर को समाप्त कर देना उन्हें उचित जान पड़ा। मेरे गिड़गिड़ाने का कोई विशेष असर नहीं पड़ा। इसी समय क्या देखता हूँ कि एक खाली बस चली आ रही है और उस पर हमारा बस कंडक्टर भी बैठा हुआ है। उसने आते ही कहा, ''अड्डे से नई बस लाया हूँ, इस बस पर बैठिए। वह बस चलाने लायक नहीं है।'' फिर मेरे पास एक लोटे में पानी और थोड़ा दूध लेकर आया और बोला, पंडित जी! बच्चों का रोना मुझसे देखा नहीं गया। वहीं दूध मिल गया, थोड़ा लेता आया।''

प्रश्न 1. लेखक ने किसको मार-पीट से बचाया?

(क) यात्रियों को
(ख) डाकुओं को
(ग) बच्चों को
(घ) ड्राइवर को

प्रश्न 2. बस का कंडक्टर कहाँ चला गया था?

(क) नई बस को लाने

(ख) खाना खाने

(ग) घूमने

(घ) मदद के लिए लोगों को बुलाने

प्रश्न 3. किसकी हालत बुरी हो रही थी?

(क) लेखक और उनके परिवार की

(ख) लोगों को

(ग) बच्चों की

(घ) उपर्युक्त सभी की

प्रश्न 4. यात्रियों ने ड्राइवर के साथ क्या किया?

(क) उसे भगा दिया

(ख) बस चलाने नहीं दिया

(ग) सभी ने उसे बांध कर रखा

(घ) उसे एक जगह घेर कर रखा

पाठ 6. यह सबसे कठिन समय नहीं

1) ***नहीं, यह सबसे कठिन समय नहीं!***
अभी भी दबा है चिड़ियाँ की
चोंच में तिनका
और वह उड़ने की तैयारी में है!
अभी भी झरती हुई पत्ती
थामने को बैठा है हाथ एक
अभी भी भीड़ है स्टेशन पर
अभी भी एक रेलगाड़ी जाती है
गंतव्य तक
जहाँ कोई कर रहा होगा प्रतीक्षा

प्रश्न 1. कवयित्री इन पंक्तियों के माध्यम से क्या कहना चाहती है?

(क) यह सबसे कठिन समय है

(ख) हमें निराश नहीं होना चाहिए

(ग) हमें भयभीत होना चाहिए

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 2. चिड़िया की चोंच में क्या दबा है ?

(क) तिनका

(ख) फल

(ग) फूल

(घ) लकडी

प्रश्न 3. 'गंतव्य' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) जिस स्थान पर पहुंचना नहीं होता है

(ख) जिस स्थान पर पहुंचना होता है

(ग) स्थान को छोड़ कर जाना

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 4. 'झरती हुई पत्ती थामने को बैठा है हाथ एक' से क्या अभिप्राय है?

(क) गिरते हुए पत्तों को भी थामने के लिए कोई बैठा है।

(ख) गिरते हुए पत्तों को थामने के लिए कोई नहीं बैठा है।

(ग) गिरते हुए पत्तों को थामने के लिए सभी लोग बैठे है।

(घ) उपर्युक्त सभी

2) ***अभी भी कहता है कोई किसी को***
जल्दी आ जाओ कि अब
सूरज डूबने का वक्त हो गया
अभी कहा जाता है
उस कथा का आखिरी हिस्सा
जो बूढ़ी नानी सुना रही सदियों से
दुनिया के तमाम बच्चों को
अभी आती है एक बस
अंतरिक्ष के पार की दुनिया से
लाएगी बचे हुए लोगों की खबर! नहीं, यह सबसे कठिन समय नहीं।
अभी आती है एक बस

प्रश्न 1. इन पंक्तियों में कौन से भाव दिया है?

(क) जीवन के प्रति आशा का

(ख) जीवन के प्रति निराशा का

(ग) खुश रहने का

(घ) हमेशा खुश रहने का

प्रश्न 2. उपर्युक्त काव्यांश के पाठ का नाम और लेखक का नाम लिखिए।

(क) पाठ का नाम- ध्वनि, लेखक- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ख) पाठ का नाम- यह सबसे कठिन समय नहीं, लेखक- जया जादवानी

(ग) पाठ का नाम- भगवान के डाकिए, लेखक- रामधारी सिंह दिनकर

(घ) पाठ का नाम- क्या निराश हुआ जाए , लेखक का नाम- लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्रश्न 3. बूढ़ी दादी-नानी बच्चों को कैसी कहानियाँ सुनाती है?

(क) अच्छी कहानियाँ

(ख) नई कहानियाँ

(ग) पुरानी कहानियाँ

(घ) रोचक कहानियाँ

प्रश्न 4. अंतरिक्ष की दुनिया कैसी है?

(क) रोचक

(ख) सुन्दर

(ग) मनमोहक

(घ) आशा जगाने वाली

पाठ 7. कबीर की साखियाँ

1) ***जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।***
मेल करो तरवार का, पड़ा रहन दो म्यान।॥ 1॥
आवत गारी एक है, उलटत होइ अनेक।
कह कबीर नहिं उलटिए,वही एक की एक॥ 2॥

प्रश्न 1. उपर्युक्त दोहे के पाठ का नाम और लेखक का नाम बताएं।

(क) पाठ का नाम- ध्वनि, लेखक- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ख) पाठ का नाम- क्या निराश हुआ जाए , लेखक का नाम- हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ग) पाठ का नाम- कबीर की साखियाँ, लेखक- कबीरदास

(घ) पाठ का नाम- दीवानों की हस्ती, लेखक- भगवतीचरण वर्मा

प्रश्न 2. कवि किसकी जाति न पूछने की बात कर रहा है?

(क) साधु की

(ख) लोगों की

(ग) लेखक की

(घ) मजदूरों की

प्रश्न 3. कवि किसका मोल करने की बात कर रहा है?

(क) अभिमान का

(ख) म्यान का

(ग) तलवार का

(घ) सुख का

प्रश्न 4. 'गारी' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) गाली

(ख) जीप

(ग) सोना

(घ) गाल

2)*माला तो कर में फिरै, जीभि फिरै मुख माँहि।*
मनुवाँ तो दहुँ दिसि फिरै, यह तौ सुमिरन नाहिं॥ 3॥
कबीर घास न नींदिए, जो पाऊँ तलि होइ।
उड़ि पड़ै जब आँखि मैं, खरी दुहेली होइ॥ 4॥
जग में बैरी कोइ नहीं, जो मन सीतल होय।
या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय॥ 5॥

प्रश्न 1. मनुष्य हाथ में क्या रखकर जाप करते है?

(क) फूल
(ख) अक्षत
(ग) माला
(घ) चावल

प्रश्न 2. घास का तिनका किसका प्रतीक है?

(क) ज्ञानी व्यक्ति की
(ख) कमजोर एवं तुच्छ व्यक्ति की
(ग) मूर्ख व्यक्ति की
(घ) इनमे से कोई नही

प्रश्न 3. मनुष्य का मन कैसा होना चाहिए?

(क) मनमोहक
(ख) चंचल और शांत
(ग) शीतल, निर्मल और शांत
(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4. 'दुहेली' शब्द से क्या अभिप्राय है?

(क) दुःख देने वाली
(ख) सुख देने वाली
(ग) सबका दुख हर लेने वाली
(घ) सबको देने वाली

प्रश्न 5. 'आपा को डारि दे' का तात्पर्य निम्नलिखित में से क्या है?

(क) अपना घमंड त्याग देना
(ख) अपना घमंड बढ़ा देना
(ग) अपना सब कुछ त्याग देना
(घ) अपना सब कुछ लुटा देना

पाठ 8. सुदामा चरित

1)*सीस पगा न झगा तन में, प्रभु! जाने को आहि बसै केहि ग्रामा।*
धोती फटी-सी लटी दुपटी, अरु पाँय उपानह को नहिं सामा।
द्वार खड़ो द्विज दुर्बल एक, रहमो चकिसो वसुधा अभिरामा।
पूछत दीनदयाल को धाम, बतावत आपनो नाम सुदामा।

प्रश्न 1. सुदामा किसके महल के सामने खड़े थे?
(क) श्री कृष्ण के
(ख) राधा के
(ग) सेनापति के
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 2. सुदामा कौन थे?
(क) बलराम के बचपन के मित्र
(ख) राधा के बचपन के मित्र
(ग) श्री कृष्ण के बचपन के मित्र
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 3. 'द्विज दुर्बल' शब्द का क्या अर्थ है?
(क) दुबला-पतला ब्राह्मण
(ख) दुर्बल ब्राह्मण
(ग) दो ब्राह्मण
(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4. सुदामा श्री कृष्ण के पास किस अवस्था में गये थे?
(क) अच्छी अवस्था में
(ख) दयनीय अवस्था में
(ग) बेहाल अवस्था में
(घ) बीमार अवस्था में

2)*ऐसे बेहाल बिवाइन सों, पग कंटक जाल लगे पुनि जोए।*
हाय! महादुख पायो सखा, तुम आए इतै न कितै दिन खोए।
देखि सुदामा की दीन दसा, करुना करिकै करुनानिधि रोए।
पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल सों पग धोए।

प्रश्न 1. सुदामा के पैरों की दशा कैसी थी?

प्रश्न 2. 'बिवाइन सों' शब्द का क्या अर्थ है?

प्रश्न 3. सुदामा की दशा देखकर श्री कृष्ण की क्या प्रतिक्रिया थी?

प्रश्न 4. सुदामा के पैर किसने आँसूओं से ही धो डाले?

3)*वैसोई राज समाज बने, गज, बाजि घने मन संभ्रम छायो।*
कैधों परयो कहुँ मारग भूलि, कि फैरि कै मैं अब द्वारका आयो।।
भौंन बिलोकिबे को मन लोचत, सोचत ही सब गाँव मँझायो।
पूँछत पाँडे फिरे सब सों, पर झोपरी को कहुँ खोज न पायो।।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के कवि का नाम बताएं।

प्रश्न 2. सुदामा भ्रम में क्यों पड़ गए?
प्रश्न 3. 'मँझायो' शब्द का क्या अर्थ है?

प्रश्न 4. अपने गाँव जाकर सुदामा ने सभी से किसके बारे में पूछा ?

4)*कै वह टूटी-सी छानी हती, कहँ कंचन के अब धाम सुहावत।*
कै पग में पनही न हती, कहँ लै गजराजहु ठाढे महावत।।
भूमि कठोर पै रात कटै, कहँ कोमल सेज पर नींद न आवत।
कै जुरतों नहिं कोदी-सवाँ, कहँ प्रभु के परताप ते दाख न भावत।।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम बताएं।
(क) कृष्ण चरित
(ख) राम चरित
(ग) मीरा चरित
(घ) सुदामा चरित

प्रश्न 2. सुदामा के पास पहले टूटी-फुटी सी फूस की झोंपड़ी थी, अब उसके स्थान पर क्या है?
(क) सोने का का महल
(ख) ईट का महल
(ग) लकडी का महल
(घ) पत्थर का महल

प्रश्न 3. 'गजराजहु' शब्द का क्या अर्थ है?
(क) हाथियों के रहने का बसेरा
(ख) हाथियों का झुंड
(ग) हाथियों के ठाट-बाट
(घ) हाथियों का राजा

प्रश्न 4. सुदामा के पहले और अब के भोजन में क्या अंतर है?
(क) पहले खाने के लिए घटिया किस्म के चावल भी उपलब्ध नहीं थे और अब प्रभु की कृपा से उन्हें किशमिश-मुनक्का उपलब्ध हैं।
(ख) पहले खाने के लिए अच्छे किस्म के चावल भी उपलब्ध थे और अब किशमिश-मुनक्का भी उपलब्ध हैं।
(ग) पहले खाने के लिए घटिया किस्म के चावल भी उपलब्ध नहीं थे और अब वो भी उपलब्ध नहीं हैं।
(घ) पहले खाने के लिए सभी फल व मिठाइयां नहीं थे और अब सभी चीजें उपलब्ध हैं।

प्रश्न 5. 'दाख' शब्द का क्या अर्थ है?
(क) किशमिश-काजू
(ख) किशमिश-मुनक्का
(ग) सोंठ-मुनक्का
(घ) किशमिश-पिस्ता

पाठ 9. <u>जहाँ पहिया है</u>

(1) ***पुडुकोट्टई (तमिलनाडु) : साइकिल चलाना एक सामाजिक आंदोलन है? कुछ अजीब-सी बात है न! लेकिन चौंकने की बात नहीं है। पुडुकोट्टई ज़िले की हज़ारों नवसाक्षर ग्रामीण महिलाओं के लिए यह अब आम बात है। अपने पिछड़ेपन पर लात मारने, अपना विरोध व्यक्त करने और उन जंजीरों को तोड़ने का जिनमें वे जकड़े हुए हैं, कोई-न-कोई तरीका लोग निकाल ही लेते हैं। कभी-कभी ये तरीके अजीबो-गरीब होते हैं। भारत के सर्वाधक गरीब जिलों में से एक है पुडुकोट्टई। पिछले दिनों यहाँ की ग्रामीण महिलाओं ने अपनी स्वाधीनता और गतिशीलता को अभिव्यक्त करने के लिए प्रतीक के रूप में साइकिल को चुना है। उनमें से अधिकांश नवसाक्षर थीं।***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का नाम बताएं।
(क) कामतानाथ
(ख) रामधारी सिंह दिनकर
(ग) पालगम्मी साईनाथ
(घ) हरिशंकर परसाई

प्रश्न 2. पुडुकोट्टई निम्नलिखित में से क्या है?
(क) तमिलनाडु का एक जिला
(ख) कर्नाटक का एक जिला
(ग) केरल का एक जिला
(घ) चेन्नई का एक जिला

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से सर्वाधिक गरीब जिला कौन सा है?
(क) पटना
(ख) मुंबई
(ग) दिल्ली
(घ) पुडुकोट्टई

प्रश्न 4. ग्रामीण महिलाओं ने किस रूप में साइकिल को चुना है?
(क) अपनी स्वाधीनता
(ख) अपनी गतिशीलता
(ग) अपनी आजादी
(घ) उपर्युक्त सभी

(2) ***इस ज़िले में साइकिल की धूम मची हुई है। इसकी प्रशसंकों में हैं महिला खेतिहर मजदूर, पत्थर खदानों में मज़दूरी करने वाली औरतें और गाँवों में काम करनेवाली नर्सें। बालवाड़ी और आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, बेशकीमती पत्थरों को तराशने में लगी औरतें और स्कूल की अध्यापिकाएँ भी साइकिल का जमकर इस्तेमाल (उपयोग) कर रही हैं। ग्राम सेविकाएँ और दोपहर का भोजन पहुँचाने वाली औरतें भी पीछे नहीं हैं। सबसे बड़ी संख्या उन लेगों की है जो अभी नवसाक्षर हुई हैं। जिस किसी नवसाक्षर अथवा नयी-नयी साइकिल चलाने वाली महिला से मैंने बातचीत की, उसने साइकिल चलाने और अपनी व्यक्तिगत आज़ादी के बीच एक सीधा संबंध बताया।***

प्रश्न 1. ज़िले में किसकी धूम मची हुई है?
प्रश्न 2. साइकिल की कौन प्रशंसक हैं?
प्रश्न 3. साइकिल का उपयोग सबसे ज्यादा कौन करती है?
प्रश्न 4. साइकिल चलाना किस बात का प्रतीक बन गया है?

(3) ***1992 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बाद अब यह ज़िला कभी भी पहले जैसा नहीं हो सकता। हैंडल पर झंडियाँ लगाए, घंटियाँ बज़ाते हुए साइकिल पर सवार 1500 महिलाओं ने पुडुकोट्टई में तूफान ला दिया। महिलाओं की साइकिल चलाने की इस तैयारी ने यहाँ रहने वालों को हक्का-बक्का कर दिया। इस सारे मामले पर पुरुषों की क्या राय थी? इसके पक्ष में 'आर-साइकिल्स' के मालिक को तो रहना ही था। इस अकेले डीलर के यहाँ लेडीज़ साइकिल की बिक्री में साल भर के अंदर काफी वृद्धि हुई। माना जा सकता है कि इस आँकड़े को दो कारणों से कम करके आँका गया। पहली बात तो यह है कि ढ़ेर सारी महिलाओं ने जो लेडीज़ साइकिल का इंतजार नहीं कर सकती थीं, जेंट्स साइकिलें खरीदने लगीं। दूसरे, उस डीलर ने बड़ी सतर्कता के साथ यह जानकारी मुझे दी थी – उसे लगा कि मैं बिक्री कर विभाग का कोई आदमी हूँ।***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम बताएं।
(क) बस की यात्रा
(ख) जहाँ पहिया है
(ग) लाख की चूड़ियाँ
(घ) कामचोर

प्रश्न 2. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पहली बार कब मनाया गया था?
(क) सन् 1992
(ख) सन् 1995
(ग) सन् 1994
(घ) सन् 1991

प्रश्न 3. साइकिल पर सवार कितनी महिलाओं ने पुडुकोट्टई में तूफान ला दिया ?
(क) 1501 महिलाओं ने
(ख) 1505 महिलाओं ने
(ग) 1500 महिलाओं ने
(घ) 1503 महिलाओं ने

प्रश्न 4. लोग हक्के-बक्के क्यों थे?
(क) महिलाओं की साइकिल चलाने की तैयारी देखकर
(ख) महिलाओं की साइकिल बेचने की तैयारी देखकर
(ग) महिलाओं की साइकिल चलाने की निपुणता देखकर
(घ) महिलाओं की साइकिल खरीदी देखकर

प्रश्न 5. सबसे ज्यादा किस डीलर से औरतों ने साइकिल खरीदा?
(क) आर – साइकिल्स डीलर
(ख) आर-आर साइकिल्स डीलर
(ग) आप साइकिल्स डीलर
(घ) इनमे से कोई नही

(4) ***अन्य पहलुओं से ज़्यादा आर्थिक पहलू पर ही बल देना गलत होगा। साइकिल प्रशिक्षण से महिलाओं के अंदर आत्मसम्मान की भावना पैदा हुई है यह बहुत महत्वपूर्ण है। फातिमा का कहना है ''बेशक, यह मामला केवल आर्थिक नहीं है।'' फातिमा ने यह बात इस तरह कही जिससे मुझे लगा कि मैं कितनी मूर्खतापूर्ण ढंग से सोच रहा था। उसने आगे कहा- ''साइकिल चलाने से मेरी कौन सी कमाई होती है। मैं तो पैसे ही गँवाती हूँ। मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं कि मैं साइकिल खरीद सकूँ। लेकिन हर शाम मैं किराए पर साइकिल लेती हूँ ताकि मैं आज़ादी और खुशहाली का अनुभव कर सकूँ।'' पुडुकोट्टई पहुँचने से पहले मैंने इस विनम्र सवारी के बारे में कभी इस तरह सोचा ही नहीं था। मैंने कभी साइकिल को आज़ादी का प्रतीक नहीं समझता था।***

प्रश्न 1. साइकिल प्रशिक्षण से महिलाओं के अंदर कैसी भावना पैदा हुई?
प्रश्न 2. फातिमा साइकिल किराए पर क्यों लेती है?
प्रश्न 3. लेखक को अपनी किस गलती का अहसास हुआ?
प्रश्न 4. साइकिल चलाने का शौक किसको है?

पाठ *10.* <u>अकबरी लोटा</u>

(1) ***लाला झाऊलाल को खाने-पीने की कमी नहीं थी। काशी के ठठेरी बाजार में मकान था। नीचे की दुकानों से एक सौ रुपये मासिक के करीब किराया उतर आता था। अच्छा खाते थे, अच्छा पहनते थे, पर ढ़ाई सौ रुपये तो एक साथ आँख सेंकने के लिए भी न मिलते थे। इसलिए जब उनकी पत्नी ने एक दिन एकाएक ढाई सौ रुपये की माँग पेश की, तब उनका जी एक बार जोर से सनसनाया और फिर बैठ गया। उनकी यह दशा देखकर पत्नी ने कहा- 'डरिए मत, आप देने में असमर्थ हों तो मैं अपने भाई से माँग लूँ?'***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम बताएं।
(क) कामचोर
(ख) सुदामा चरित
(ग) टोपी
(घ) अकबरी लोटा

प्रश्न 2. लाला झाऊलाल का मकान कहाँ था?
(क) काशी के ठठेरी बाजार में
(ख) काशी के ठेठरी बाजार में
(ग) काशी के नठेरी बाजार में
(घ) काशी के पटोरी बाजार में

प्रश्न 3. झाऊलाल के मकान के नीचे _____ थी?
(क) गलियां
(ख) दुकानें
(ग) सड़के
(घ) बजारे

प्रश्न 4. लाला झाऊलाल की पत्नी ने झाऊलाल से कितने पैसे माँगे?

(क) तीन सौ रुपये

(ख) सौ रुपये

(ग) दो सौ रुपये

(घ) ढाई सौ रुपये

(2) ***लाला झाऊलाल मुश्किल से दो-एक घूँट पी पाए होंगे कि न जाने कैसे उनका हाथ हिल उठा और लोटा छूट गया। लोटे ने दाएँ देखा न बाएँ, वह नीचे गली की ओर चल पड़ा। अपने वेग में उल्का को लजाता हुआ वह आँखों से ओझल हो गया। किसी जमाने में न्यूटन नाम के किसी खुराफाती ने पृथ्वी की आकर्षण शक्ति नाम की एक चीज ईजाद की थी। कहना न होगा कि यह सारी शक्ति इस समय लोटे के पक्ष में थी। लाला को काटो तो बदन में खून नहीं। ए चलती हुई गली में ऊँचे तिमंजले से भरे हुए लोटे का गिरना हँसी-खेल नहीं।***

प्रश्न 1. लाला झाऊलाल लोटे से क्या पी रहे थे?

(क) चाय

(ख) पानी

(ग) दूध

(घ) जूस

प्रश्न 2. किसके हाथ से लोटा छूटकर गिर गया?

(क) झाऊलाल के मित्र के

(ख) झाऊलाल के पत्नी के

(ग) लाला झाऊलाल के

(घ) झाऊलाल के भतीजे के

प्रश्न 3. पृथ्वी की आकर्षण शक्ति को न्यूटन ने क्या नाम दिया?

(क) बलपूर्वक

(ख) गुरुत्वाकर्षण

(ग) गुरुत्वाघर्षण

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4. लोटे ने दाएँ देखा न बाएँ, वह _____ चल पड़ा।

(क) नीचे गली की ओर

(ख) ऊपर की ओर

(ग) नीचे की ओर

(घ) गली की ओर

(3) ***कुछ हुआ भी ऐसा ही। गली में जोर का हल्ला उठा। लाला झाऊलाल जब तब दौड़कर नीचे उतरे तब तक एक भारी भीड़ उनके आँगन में घुस आई। लाला झाऊलाल ने देखा कि इस भीड़ में प्रधान पात्र एक अंग्रेज़ है जो नखशिख से भीगा हुआ है। और जो अपने एक पैर को हाथ से सहलाता हुआ दूसरे पैर पर नाच रहा है। उसी के पास अपराधी लोटे को भी देखकर लाला झाऊलाल जी ने फौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया। गिरने के पूर्व लोटा एक दुकान के सायबान से टकराया।***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का नाम बताएं।

(क) हरिशंकर परसाई

(ख) अन्नपूर्णानन्द वर्मा

(ग) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

(घ) कामतानाथ

प्रश्न 2. गली में जोर का हल्ला क्यों उठा?

(क) गली में गिलास गिरने के कारण

(ख) झाऊलाल का बाल्टी गिरने के कारण

(ग) गली में लोटा गिरने के कारण

(घ) इनमें से कोई नही

प्रश्न 3. भीड़ का प्रधान पात्र कौन था?

(क) एक अंग्रेज़

(ख) दुकानदार

(ग) सरपंच

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4. लोटा गिरने के पूर्व किससे टकराया?

(क) मेज से

(ख) दीवार से

(ग) एक दुकान के सायबान से

(घ) उपर्युक्त सभी

(4) जी, जनाब। सोलहवीं शताब्दी की बात है। बादशाह हुमायूँ शेरशाह से हार कर भागा था और सिंध के रेगिस्तान में मारा-मारा फिर रहा था। एक अवसर पर प्यास से उसकी जान निकल रही थी। उस समय एक ब्राह्मण ने इसी लोटे से पानी पिलाकर उसकी जान बचाई थी। हुमायूँ के बाद अकबर ने उस ब्राह्मण का पता लगाकर उससे इस लोटे को ले लिया और इसके बदले में उसे इसी प्रकार के दस सोने के लोटे प्रदान किए। यह लोटा सम्राट अकबर को बहुत प्यारा था। इसी से इसका नाम अकबरी लोटा पड़ा। वह बराबर इसी से वजू करता था। सन् 57 तक इसके शाही घराने में रहने का पता है। पर इसके बाद लापता हो गया। कलकत्ता के म्यूजियम में इसका प्लास्टर का मॉडल रखा हुआ है। पता नहीं यह लोटा इस आदमी के पास कैसे आया? म्यूजियम वालों को पता चले तो फेंसी (अच्छा) दाम देकर खरीद ले जाएँ।

प्रश्न 1. एक ब्राह्मण ने लोटे से पानी पिलाकर किसकी जान बचाई थी?

(क) शेरशाह की

(ख) अकबरी की

(ग) हुमायूँ की

(घ) इनमें से कोई नही

प्रश्न 2. लोटा किस सम्राट को बहुत प्यारा था?

(क) मुगल

(ख) अकबर

(ग) विक्रम

(घ) बाबर

प्रश्न 3. इस लोटे का नाम क्या पड़ा ?

(क) अकबरी लोटा

(ख) हुमायूँ लोटा

(ग) शेरशाह लोटा

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4. किस सम्राट के नाम से इस लोटे का नामकरण हुआ ?

(क) जहांगीर

(ख) बाबर

(ग) विक्रम

(घ) अकबर

पाठ 11. सूरदास के पद

1)*मैया, कबहिं बढ़ैगी चोटी?*
किती बार मोहिं दूध पियत भई, यह अजहूँ है छोटी।
तू जो कहति बल की बेनी ज्यौं, ह्नै है लाँबी-मोटी।
काढ़त-गुहत न्हवावत जैहै, नागिन सी भुइँ लोटी।
काँचौ दूध पियावत पचि-पचि, देति न माखन-रोटी।
सूर चिरजीवौ दोउ भैया, हरि-हलधर की जोटी।

प्रश्न 1. उपर्युक्त पद्यांश के कवि का नाम बताएं।

(क) हरिशंकर परसाई

(ख) कामतानाथ

(ग) सूरदास

(घ) अन्नपूर्णानन्द वर्मा

प्रश्न 2. कृष्ण यशोदा माँ से क्या पूछ रहे है?

(क) वह कब बड़ा होगा

(ख) मेरी चोटी कब बड़ी होगी

(ग) मेरी गैया कब बड़ी होगी

(घ) इनमें से कोई नही

प्रश्न 3. 'पचि-पचि' का सही अर्थ क्या है ?

(क) बार-बार

(ख) पार-पार

(ग) कच्चा-कच्चा

(घ) पंच-पंच

प्रश्न 4. यशोदा माँ के द्वारा किसकी जोड़ी को दीर्घायु होने की कामना की गई थी?

(क) गोपी-कृष्ण की

(ख) कृष्ण-सखी की

(ग) राधा-कृष्ण की

(घ) कृष्ण-बलराम की

2)तेरैं लाल मेरौ माखन खायौ।
दुपहर दिवस जानि घर सूनो ढूँढ़ि-ढँढ़ोरि आपही आयौ।
खोलि किवारि, पैठि मंदिर मैं, दूध-दही सब सखनि खवायौ।
ऊखल चढ़ि, सींके कौ लीन्हौ, अनभावत भुइँ मैं ढरकायौ।
दिन प्रति हानि होति गोरस की, यह ढोटा कौनैं ढँग लायौ।
सूर स्याम कौं हटकि न राखै तैं ही पूत अनोखौ जायौ।

प्रश्न 1. उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का नाम बताएं।
(क) सूरदास के पद
(ख) सुदामा चरित
(ग) कामचोर
(घ) अकबरी लोटा

प्रश्न 2. गोपियाँ सदा श्री कृष्ण की शिकायत ___ से करती रहती थी।
(क) देवकी माँ
(ख) राधा
(ग) यशोदा माँ
(घ) वासुदेव

प्रश्न 3. 'अनभावत' का सही अर्थ _____ है –
(क) जो बुरा न लगे
(ख) जो अच्छा न लगे
(ग) जो अच्छा लगे
(घ) जो बुरा लगे

प्रश्न 4. कृष्ण किसपर चढ़कर छीके तक पहुँच जाते थे?
(क) सीढ़ी पर
(ख) डिब्बे पर
(ग) पलंग पर
(घ) ओखली पर

पाठ 12. <u>पानी की कहानी</u>

1) ***मैं आगे बढ़ा ही था कि बेर की झाड़ी पर से मोती-सी एक बूँद मेरे हाथ पर आ पड़ी। मेरे आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब मैंने देखा कि ओस की बूँद मेरी कलाई पर से सरक कर हथेली पर आ गई। मेरी दृष्टि पड़ते ही वह ठहर गई। थोड़ी देर में मुझे सितार के तारों की-सी झंकार सुनाई देने लगी। मैंने सोचा कि कोई बजा रहा होगा। चारों ओर देखा। कोई नहीं। फिर अनुभव हुआ कि यह स्वर मेरी हथेली से निकल रहा है। ध्यान से देखने पर मालूम हुआ कि बूँद के दो कण हो गए हैं और वे दोनों हिल-हिलकर यह स्वर उत्पन्न कर रहे हैं मानो बोल रहे हों।***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का नाम बताएं।
(क) कामतानाथ
(ख) रामचंद्र तिवारी
(ग) सूरदास
(घ) सूर्यकांत त्रिपाठी

प्रश्न 2. बूँद को किसके समान बताया गया है?
(क) चाद के
(ख) मोती के
(ग) हीरा के
(घ) पानी के

प्रश्न 3. ओस की बूँद कलाई पर से सरक कर कहाँ पर आ गई।
(क) हथेली पर
(ख) जमीन पर
(ग) पत्ते पर
(घ) हाथ पर

प्रश्न 4. किसकी झंकार सुनाई देने लगी ?
(क) वायलिन की झंकार
(ख) हवा की झंकार
(ग) पत्तों के हिलने की
(घ) सितार के तारों की

प्रश्न 5. बूँद के कितने कण हो गए ?
(क) तीन
(ख) चार
(ग) दो
(घ) तीन

2) ***"मैं लगभग तीन दिन तक यह साँसत भोगती रही। मैं पत्तों के नन्हें-नन्हें छेदों से होकर जैसे-तैसे जान बचाकर भागी। मैंने सोचा था कि पत्ते पर पहुँचते ही उड़ जाऊँगी। परंतु, बाहर निकलने पर ज्ञात हुआ कि रात होने वाली थी और सूर्य जो हमें उड़ने की शक्ति देते हैं, जा चुके हैं, और वायुमंडल में इतने जल कण उड़ रहे हैं कि मेरे लिए वहाँ स्थान नहीं है तो मैं अपने भाग्य पर भरोसा कर पत्तों पर ही सिकुड़ी पड़ी रही। अभी जब तुम्हें देखा तो जान में जान आई और रक्षा पाने के लिए तुम्हारे हाथ पर कूद पड़ी।" इस दुख तथा भावपूर्ण कहानी का मुझ पर बड़ा प्रभाव पड़ा। मैंने कहा- "जब तक तुम मेरे पास हो कोई पत्ता तुम्हें न छू सकेगा।"***

प्रश्न 1. बूँद तीन दिन तक कहाँ साँसत भोगती रही ?
प्रश्न 2. पत्तों के नन्हें-नन्हें छेदों से होकर जैसे-तैसे जान बचाकर कौन भागी।
प्रश्न 3. बूँद लेखक हाथ पर क्यों कूद पड़ी?
प्रश्न 4. साँसत शब्द का सही अर्थ _____ है।

3) ***समुद्र का भाग बनकर मैंने जो दृश्य देखा वह वर्णनातीत है। मैं अभी तक समझती थी कि समुद्र में केवल मेरे बंधु-बांधवों का ही राज्य है, परंतु अब ज्ञात हुआ कि समुद्र में चहल-पहल वास्तव में दूसरे ही जीवों की है और उसमें निरा नमक भरा है। पहले-पहले समुद्र का खारापन मुझे बिल्कुल नहीं भाया, जी मचलाने लगा। पर धीरे-धीरे सब सहन हो चला। एक दिन मेरे जी में आया कि मैं समुद्र के ऊपर तो बहुत घूम चुकी हूँ, भीतर चलकर भी देखना चाहिए कि क्या है? इस कार्य के लिए मैंने गहरे जाना प्रारंभ कर दिया। मार्ग में मैंने विचित्र-विचित्र जीव देखें। मैंने अत्यंत धीरे-धीरे रेंगने वाले घोंघे, जालीदार मछलियाँ, कई-कई मन भारी कछुवे और हाथों वाली मछलियाँ देखीं। एक मछली ऐसी देखी जो मनुष्य से कई गुना लंबी थी। उसके आठ हाथ थे। वह इन हाथों से अपने शिकार को जकड़ लेती थी।***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम बताएं।
प्रश्न 2. बूँद समुद्र का भाग बनकर कौन-सा दृश्य देखा ?
प्रश्न 3. निरा नमक कहाँ भरा है?
प्रश्न 4. मछलियाँ अपने शिकार को कैसे पकड़ लेती थी?

3) ***मैं अपने दूसरे भाइयों के पीछे-पीछे चट्टान में घुस गई। कई वर्षों में कई मील मोटी चट्टान में घुसकर हम पृथ्वी के भीतर एक खोखले स्थान में निकले और एक स्थान पर इकट्ठा होकर हम लोगों ने सोचा कि क्या करना चाहिए। कुछ की सम्मति में वहीं पड़ा रहना ठीक था। परंतु हममें कुछ उत्साही युवा भी थे। वे एक स्वर में बोले- हम खोज करेंगे, पृथ्वी के हृदय में घूम-घूम कर देखेंगे कि भीतर क्या छिपा हुआ है।''***
''अब हम शोर मचाते हुए आगे बढ़े तो एक ऐसे स्थान पर पहुँचे जहाँ ठोस वस्तु का नाम भी न था। बड़ी-बड़ी चट्टानें लाल-पीली पड़ी थीं। और नाना प्रकार की धातुएँ इधर-उधर बहने को उतावली हो रही थीं।

प्रश्न 1. पृथ्वी के भीतर एक खोखले स्थान तक पहुँचने में बूँद को कितना दूर चलना पड़ा?
प्रश्न 2. उत्साही युवकों से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?
प्रश्न 3. बड़ी-बड़ी चट्टानें ___ पड़ी थीं?

पाठ 13. <u>बाज और साँप</u>

1) ***समुद्र के किनारे ऊँचे पर्वत की अँधेरी गुफा में एक साँप रहता था। समुद्र की तूफानी लहरें धूप में चमकतीं, झिलमिलातीं और दिन भर पर्वत की चट्टानों से टकराती रहती थीं। पर्वत की अँधेरी घाटियों में एक नदी भी बहती थी। अपने रास्ते पर बिखरे पत्थरों को तोड़ती, शोर मचाती हुई यह नदी बड़े जोर से समुद्र की ओर लपकती जाती थी। जिस जगह पर नदी और समुद्र का मिलाप होता था, वहाँ लहरें दूध के झाग-सी सफेद दिखाई देती थीं। अपनी गुफा में बैठा हुआ साँप सब कुछ देखा करता। लहरों का गर्जन, आकाश में छिपती हुई पहाड़ियाँ, टेढ़ी-मेढ़ी बलखाती हुई नदी की गुस्से से भरी आवाज़ें।***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम बताएं।
(क) बाज और साँप
(ख) गिरगिट
(ग) क्या निराश हुआ जाए
(घ) पानी की कहानी

प्रश्न 2. साँप कहाँ रहता था?
(क) जंगल में
(ख) झाड़ियों में
(ग) एक बिल में
(घ) ऊँचे पर्वत की अँधेरी गुफा में

प्रश्न 3. जिस जगह पर नदी और समुद्र का मिलाप होता था, वहाँ लहरें _____ दिखाई देती थी?
(क) दूध के झाग-सी सफेद
(ख) सर्फ के झाग-सी सफेद
(ग) पाउडर के सी सफेद
(घ) इनमें से कोई नही

प्रश्न 4. नदी की आवाज़ कैसी थी?
(क) हंसी से भरी
(ख) गुस्से से भरी
(ग) मुस्कान से भरी
(घ) इनमें से कोई नही

2) ***एक दिन एकाएक आकाश में उड़ता हुआ खून से लथपथ एक बाज साँप की उस गुफा में आ गिरा। उसकी छाती पर कितने ही ज़ख्मों के निशान थे, पंख खून से सने थे और वह अधमरा-सा जोर-शोर से हाँफ रहा था। जमीन पर गिरते ही उसने एक दर्द भरी चीख मारी और पंखों को फड़फड़ाता हुआ धरती पर लोटने लगा। डर से साँप अपने कोने में सिकुड़ गया। किंतु दूसरे ही क्षण उसने भाँप लिया कि बाज जीवन की अंतिम साँसें गिन रहा है और उससे डरना बेकार है। यह सोचकर उसकी हिम्मत बँधी और वह रेंगता हुआ उस घायल पक्षी के पास जा पहुँचा। उसकी तरफ कुछ देर तक देखता रहा, फिर मन ही मन खुश होता हुआ बोला- "क्यों भाई, इतनी जल्दी मरने की तैयारी कर ली?" बाज ने एक लंबी आह भरी "ऐसा ही दिखता है कि आखिरी घड़ी आ पहुँची है लेकिन मुझे कोई शिकायत नहीं है।***

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का नाम बताएं।
(क) सूर्यकांत त्रिपाठी
(ख) रामचंद्र तिवारी
(ग) निर्मल वर्मा
(घ) सूरदास

प्रश्न 2. साँप की गुफा में कौन आ गिरा?
(क) एक बाज
(ख) एक सांप का बच्चा
(ग) एक मैना
(घ) एक कोयल

प्रश्न 3. बाज की हालत कैसी थी?
(क) अच्छी
(ख) बुरी
(ग) थोड़ी अच्छी थोड़ी बुरी
(घ) खून से लथपथ तथा अधमरा-सा

प्रश्न 4. बाज को देखकर साँप की क्या हालत हुई?
(क) साँप डर कर वहां से भाग गया।
(ख) साँप डर कर कोने में सिकुड़ गया।
(ग) क और ख दोनो
(घ) इनमें से कोई नही

प्रश्न 5. अपनी जीवन की अंतिम साँसें कौन गिन रहा था?
(क) बाज
(ख) सांप
(ग) मैना
(घ) कौआ

3) ***"आकाश की असीम शून्यता में क्या ऐसा आकर्षण छिपा है जिसके लिए बाज ने अपने प्राण गँवा दिए? वह खुद तो मर गया लेकिन मेरे दिल का चैन अपने साथ ले गया। न जाने आकाश में क्या खजाना रखा है? एक बार तो मैं भी वहाँ जाकर उसके रहस्य का पता लगाऊँगा चाहे कुछ देर के लिए ही हो। कम से कम उस आकाश का स्वाद तो चख लूँगा।"***
यह कहकर साँप ने अपने शरीर को सिकोड़ा और आगे रेंगकर अपने को आकाश की शून्यता में छोड़ दिया। धूप में क्षणभर के लिए साँप का शरीर बिजली की लकीर-सा चमक गया।

प्रश्न 1. उपरोक्त पंक्तियों में कौन, किससे कह रहा है?
प्रश्न 2. बाज ने किसके लिए अपने प्राण गवा दिए?
प्रश्न 3. बाज की मृत्यु से साँप क्यों बेचैन हो उठा?
प्रश्न 4. 'रेंगता' शब्द का क्या अर्थ है?

Name: Viplav sharma
Phone: 8263898490
E-mail: viplav.gce@gmail.com